राज्य आनंद संस्थान

(मध्यप्रदेश शासन, आनंद विभाग की पंजीकृत संस्था)

पर्यावास भवन, द्वितीय तल, ब्लॉक-01 (ए), जेल रोड, अरेरा हिल्स, भोपाल

वेब-साईट www.anandsanthanmp.in / E-mail : anandsanthanmp.@gmail.com

क्रमांक- 03 /आ.संस्थान/प्रशि/2017 भोपाल, दिनांक 4.01.2017

प्रति

कलेक्टर

जिला-(संलग्न सूची अनुसार 18 जिले)

मध्यप्रदेश

विषय:- आनन्दम सहयोगी के प्रशिक्षण दिनांक 31 जनवरी 2017 से 3 फरवरी, 2017 हेतु नामांकन।

आनन्दम सहयोगी के लिये नामांकन हेतु इच्छुक आनन्दकों से विभागीय वेबसाईट पर सहमति दर्ज करने हेतु आग्रह किया गया था। कृपया अपने जिले से वेबसाईट पर दर्ज "आनन्दम सहयोगी" की सूची का अवलोकन वेबसाईट पर कर लें।

2/ जिले में अन्य इच्छुक आनन्दकों को भी जो "आनन्दम सहयोगी" के रूप में कार्य करने इच्छुक हैं एवं "आनन्दम सहयोगी" का प्रशिक्षण लेना चाहते हैं उन्हें आनन्दम सहयोगी के रूप में अपना नाम दर्ज कराने हेतु आग्रह करें। तत्पश्चात जिले के समस्त ऐसे आननंदक जो आनन्दम सहयोगी के रूप में प्रशिक्षण लेने के लिये तैयार हैं, इनमें से 3 आनन्दकों को आनन्दम सहयोगी के रूप में "दिनांक 31 से 03 फरवरी,2017" तक भोपाल में होने वाले प्रशिक्षण के लिये 12 जनवरी, 2017 तक नामांकित करें।

4/ आनन्दम कार्यक्रम की संक्षिप्त रूप रेखा निम्नानुसार है:-

4.1 आनन्दम कार्यक्रम में प्रतिभागियों को अन्त:करण/इनरवाईज सुनने उसके आधार पर निर्णय/संकल्प लेने और निर्णय/संकल्प दैनंदिन जीवन में

उपयोग में लाने में सहायता के लिये कार्यक्रम और संक्रियाएं(एक्टीविटी) शामिल होगीं।

4.2 आनन्दम कार्यक्रम की प्रथम संक्रिया "अल्प विराम" है। अल्प विराम कार्यक्रम संचालित करने के लिए ही आनन्दम सहयोगियों को उपरोक्त तिथियों में प्रशिक्षित किया जाएगा।

4.3 प्रशिक्षण उपरान्त इन "आनन्दम सहयोगी" दवारा जिला कलेक्टर कार्यालय में प्रारंभिक दिनों में सप्ताह में 2 से 3 बार और तत्पश्चात आवश्यकतानुसार अल्प विराम की संक्रिया जिला कलेक्टर कार्यालय में सम्पादित की जाएंगी। बाद में यही प्रशिक्षित "आनन्दम सहयोगी" अन्य कार्यालयों में भी "अल्प विराम" की संक्रिया करेंगे।

4.4 जिलों में "अल्प विराम" कार्यक्रम को प्रारंभ करने के लिये तिथि पृथक से सूचित की जाएगी।

5/ "आनन्दम सहयोगी" के लिए ऐसे आनन्दकों का चयन होना चाहिये

(1) जो स्व-प्रेरणा से कार्य करने तैयार हों।

(2) जिन्हें लोग उदाहरण के रूप में अनुकरण करने के लिये देखते हों या देख सकते हों

(3) जो दूसरों की बात सुनने की क्षमता रखते हैं और बिना किसी को आहत किये अपनी बात उनसे कह सकते हैं।

6/ जिले में इस कार्यक्रम की सफलता के लिए सक्षम/उर्जावान आनंदम की भूमिका अत्यन्त महत्व की होगी ।अत: यह उचित होगा कि आप जिले में कलेक्टर कार्यालय के वरिष्ठ सेवा निवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों और सामान्य रूप से अधिकारियों/कर्मचारियों में सम्मान रखने वाले अधिकारी/कर्मचारी का इस कार्य के लिए चयन करें।

(मनोहर दुबे)
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
राज्य आनंद संस्थान

आनन्दम सहयोगी के प्रशिक्षण दिनांक 31 जनवरी 2017 से 3 फरवरी, 2017 हेतु

01	राजगढ़
02	शाजापुर
03	अगर मालवा
04	नीमच
05	भिंड
06	दतिया
07	श्योपुर
08	शिवपुरी
09	दमोह
10	कटनी
11	डिंडोरी
12	सीवनी
13	छिन्दवाड़ा
14	सीधी
15	सतना
16	अनुपपुर
17	बुरहानपुर
18	अलीराज पुर